: विशेष सूचना :

तेरापंथ धर्मसंघ की महत्त्वपूर्ण विशेषता एक मर्यादित धर्मसंघ के रूप में जानी जाती है। चतुर्विध धर्म संघ की समस्त गतिविधियां पूज्यप्रवरों के दिशा-दर्शन में उनकी अनुशासना के अन्तर्गत संचालित है। अनेक अवसरों पर पूर्णतया जानकारी के अभाव में उनकी अनुपालन में असावधानी रह जाती है। इस हेतु तेरापंथ विकास परिषद् ने पूज्यवरों के इंगितानुसार श्रावकसमाज के लिए दिशा-निर्देशों को **श्रावकसमाज दिशानिर्देशिका** के रूप में प्रकाशित किया है।

श्रावकसमाज दिशानिर्देशिका में उल्लेखित निर्देशों के प्रति जागरूकता एवं इसकी अनुपालना में सजगता रहे इस हेतु समस्त तेरापंथी परिवारों में इसकी प्रति अनिवार्य रूप से पहुंचनी आवश्यक है। समस्त स्थानीय जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभाओं से विनम्र निवेदन है कि अपने क्षेत्र के तेरापंथी परिवारों की संख्यानुसार महासभा के कार्यालय से इसकी प्रतियां मंगवाकर शीघ्रातिशीघ्र अपने क्षेत्र के समस्त परिवारों को सममूल्य में वितरित करावें।

निर्देशानुसार
—तेरापंथ विकास परिषद्

नोट : एकरूपता की दृष्टी से श्रावकसमाज दिशानिर्देशिका का प्रकाशन एवं फोटो कॉपी करवाकर वितरित करना सर्वथा वर्जित है। अपेक्षित प्रतियां केवल जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा, कोलकाता से ही प्राप्त करें। इस संदर्भ में अन्य किसी प्रकार की जिज्ञासा सहयोग हेतु तेरापंथ विकास परिषद्, दिल्ली कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।